रात्रिक्लास 29/4/68 ओमशान्ति शिवबाबा याद है?

भक्तिमार्ग में कुछ भी मिलने की बात नहीं। यह तो है पढ़ाई। तुम बच्चे जानते हो शान्ति माना शान्तिधाम जाना। शान्ति कहां से मिलती नहीं। शान्ति सिवाय शान्ति के सागर के कोई दे न सके। और कोई से कब मिल भी न सके। प्राप्ति बाप से ही होती है। जिसको वर्सा कहा जाता है। वर्सा लौकिक पारलौकिक बाप से मिलता है। पारलौकिक बाप से मिलता है 21 जन्मों के लिए। फिर आता है रावण का राज्य भक्तिमार्ग। तो खाली हो जाते हैं। कोई बतावे भक्तिमार्ग से क्या मिलता है। भक्ति तो बहुतों ने की है अच्छी तरह से। कोई भक्त आवे तो पूछना है भक्ति करते हो? अच्छा, भक्ति से क्या प्राप्ति होती है? कुछ कहेगा नहीं। कहेगा तो (झूठ) या शान्ति कहेंगे। सुख तो दे न सके। राजयोग सीख नहीं सकते। शान्ति का सागर बाप ही है। उनसे ही शान्ति मिल सकती है। और कोई को पता भी (नहीं) शान्ति किसको कहा जाता है। सन्यासी शान्ति के लिए जंगल में जाते हैं। सतोप्रधान बुद्धि है तो कशिश ही नहीं रहती। चले आते हैं। आजकल कुटियाएं सभी खाली पड़ी है; क्योंकि ताकत ही नहीं है जो कशिश करे। कोई भोजन ले आवे। तुम शक्ति प्राप्त करते हो बाप से। तुम विश्व के मालिक बनते हो। शक्ति मिली कैसे? शक्ति थी ज़रूर। अभी कोई शक्ति नहीं है आत्मा में। आत्मा में शक्ति थी। इन ल.ना. की आत्मा में शक्ति थी, अभी नहीं है। फिर उनकी शक्ति प्राप्त करने लिए पुरुषार्थ कर रहे हैं। भक्तिमार्ग में कुछ भी नहीं मिलता। वापस तो कोई भी जा नहीं सकते ; इसलिए कितने उपाय करते रहते हैं। बच्चे जास्ती न हों उसके लिए माथा मारते रहते हैं। बोलो तुम कितने मनुष्य चाहते हो दुनियां में। विचार करो सतयुग में आदि सनातन देवी–देवता धर्म था तो कितने मनुष्य होंगे। गायन है आठ–नव लाख होते हैं। गाते हैं ना फ़किरा नो साहब ..... ... 9 लाख यहां रहते हैं। लक्की स्टार्स हो ना। तुम 9 लाख सतयुग में होते हो। जिनकी ज्योत जगी रहती है। वहां कोई मरता तो पिनी नहीं पहनते। ज्योत नहीं जगाते। वहां सभी की ज्योत जगी रहती है। सतयुग में सभी घर–2 में आत्मा जगी रहती है। घर–2 में अंधियारा होता है कलयुग अंत में। अभी तुम्हारी ज्योत जग रही है। कोई की 5% , कोई की कितनी। 100% तो होता है बाप। कुछ जरूर कमी रखनी पड़ती है। यह बाप समझाते हैं मेरे को कहेंगे 100% । और कोई को कह न सके। कुछ कमी जरूर रहती है। स्कूल में 100 मार्क्स नहीं देते होंगे। ठगी चलती होगी। मार्क्स बिकते भी हैं। रिश्वत से मार्क्स मिलती है। ऐसे बहुत ही पद मिलते हैं। राय साहब, राय बहादुर, राजा बहादुर यह सभी टाइटल्स पैसों से ही मिलते हैं। सबसे जास्ती बच्चे वाला कौन है? (शिव बाबा) (बाप–दादा) कुछ कम जास्ती। 50–60 का फ़र्क है ना। बच्चियां कहती हैं एक का फ़र्क है। बताओ यह कैसे? शिवबाबा को एक जास्ती है। शिवबाबा सभी आत्माओं का बाप है। यह एक कम हुआ ना। वह 500011 तो यह 50001(500010) इसको कहा जाता है ईश्वर का अंत। मनुष्य कहते हैं ईश्वर का अंत कोई नहीं पा सकते हैं। ईश्वर ने आकर तुमको अपना अंत बताया है; इसलिए ईश्वर को बेअंत नही कहा जाता। वह सृष्टि के आदि, मध्य, अंत का अंत देते हैं। तब तुम आस्तिक बनते हो। जब तक अंत न है तब तक नास्तिक हो। पहले तुम सभी आरफन थे। निर्धण के। घर में लड़ते हैं तो कहते हैं धणी धोणी कोई है (नहीं) । यह है बेहद की बात। तुम्हारे सिवाय कोई भी बाप को नहीं जानते। प्रजापिता ब्रह्मा को एक कम क्यों? यह फिर क्लास में पूछना सभी से। यह पढ़ाई है ना। पढ़ाई से ही पद मिलता है। भक्तिमार्ग से पद नहीं। वर्सा नहीं मिलता है। यह भक्ति की निन्दा नहीं करते हैं। ड्रामा अनुसार भक्ति से सभी की दुर्गति होती है। इनकी भी दुर्गति हुई है ना। कहते हैं मैं इनमें प्रवेश करता हूँ तो सभी को सदगति मिलती है। अच्छा, मीठे–2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप–दादा का याद प्यार गुडनाइट। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते।

–:शिवबाबा और वर्सा याद है?:–